हेल्थ काउंसिलिंग • अधिक देर तक मोबाइल देखने या स्क्रीन टाइम बढ़ने पर सिर दर्द होता है

आउटडोर एक्टिविटीज नहीं होने से अब बच्चे भी माइग्रेन से हो रहे पीड़ित

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

अब बच्चे भी माइग्रेन से पीड़ित होने लगे हैं। इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण है- आउटडोर एक्टिविटीज का नहीं होना। बच्चे सुबह उठते हैं और स्कूल चले जाते हैं। स्कूल से आते ही एसी ऑन करते हैं और सो जाते हैं। शाम में उठते हैं, पढ़ाई करते हैं और खाना खाकर सो जाते हैं। न तो खेलकूद का समय है और न मैदान। मोबाइल पर लगे रहते हैं। पूछने पर कहते हैं-मोबाइल से पढ़ाई कर रहे हैं। अधिक देर तक मोबाइल देखने या स्क्रीन टाइम बढ़ने पर सिर दर्द होगा ही। मोबाइल की वजह से चश्मा भी चढ़ रहा है। दूर तक देखने की आदत छूट गई है। यह कहना है आईजीआईएमएस के न्यूरोलॉजी विभाग के हेड डॉ. अशोक कुमार का। वे शनिवार को दैनिक भास्कर की हेल्थ काउंसिलिंग में पाठकों को सलाह दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आजकल सिर दर्द आम समस्या हो गई है। इसकी वजह रात में नींद की कमी, अधिक देर तक खाली पेट रहना, तनाव, हारमोनल इंबैलैंस, बाहरी भोजन, फास्ट फूड, शारीरिक परिश्रम की कमी आदि हैं।

• मेरी उम्र 21 साल है। बचपन में सिर दर्द होता था। ठीक हो गया था। फिर शुरू हो गया है।-दूबा, पटना

-लक्षण से तो लग रहा है कि आप माइग्रेन से पीड़ित हैं। यह पता करना होगा कि सिर दर्द का कारण क्या है। अधिक धूप, अधिक ठंड, खाली पेट रहने पर भी माइग्रेन का अटैक होता है। दिखा लीजिएगा तो सही इलाज हो जाएगी।

• मां की उम्र 70 साल है। भूलने की बीमारी से पीड़ित हो गई हैं।-प्रदीप कुमार बांका, पटना

-बेहतर होगा कि संस्थान में लाकर दिखा दीजिए। कुछ जरूरी जांच भी हो जाएगी।

• पत्नी को ब्रेन हेमरेज होने पर पुणे में सर्जरी हुई थी। अब किसी को पहचानने और नाम बोलने में दिक्कत हो रही है।-समीर त्यागी, मोकामा

-बोलने की आदत डलवाएं। परिवार के लोग उनके साथ अधिक समय दें। अकेला नहीं छोड़ें। उनके साथ धीरे-धीरे शब्दों को बोलें। विभाग में लाकर एक बार दिखा भी सकते हैं। माइग्रेन के लिए दवा भी चलती है।

• हाथ कांपता है और रात में सपना भी अधिक आता है।-भोला प्रसाद, मोकामा

-बगैर देखे इलाज बताना ठीक नहीं है। एक बार आकर दिखा लीजिए। सही इलाज हो जाएगा और परेशानी से निजात मिल जाएगी।

• कमर के पीछे दर्द और पैर में झुनझुनी रहती है। चलने पर बैठने की जरूरत पड़ती है। अधिक दूर चल नहीं पाती हूं।-राम कुंवर देवी, कुरथौल

जवाब-नस दब रही है। इस वजह से परेशानी हो रही है। कुछ जांच की जरूरत होगी। जांच से ही पता चलेगा कि समस्या क्यों है? इसके बाद ही इलाज संभव होगा।

इन्होंने भी किया फोन

नरसिंह पाठक (गया), सुरेश कुमार (पटना सिटी), सोनी देवी (बिहटा), दिनेश भगत (दानापुर), अंशुमाला (नूरसराय), अब्दुल मतीन (पटना), पप्पू कुमार (मसौढ़ी), अमिताभ मिश्रा (मीठापुर), अरविंद कुमार उपाध्याय (दिलदारनगर), सूरज कुमार (बोरिंग रोड), अनिता कुमारी (रामनगरी), संजय भगत (बिहारशरीफ), कैलाश सिंह (जहानाबाद)।

Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Sheikhpura, Patna-14 P.R.O.

ध्यानचंद मेमोरियल बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता शुरू

पटना (एसएनबी)। किलकारी बिहार बाल भवन, पटना के तत्वावधान में बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के तकनीकी सहयोग से किलकारी बिहार बाल भवन के कोर्ट पर शुरू हुई 15वीं ध्यानचंद स्मृति बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के बालिका वर्ग के उद्घाटन मैच में किलकारी ए ने किलकारी बी को 35-29, 35-32 से पराजित कर विजय अभियान प्रारंभ किया। इस मैच में किलकारी ए की ओर से हर्षिता, दिव्या, खुशी ने एवं किलकारी बी की ओर से अंकिता, नयना, खुशी ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

इससे पूर्व पांच दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के अध्यक्ष -सह- बिहार विधान परिषद सदस्य प्रो.नवल किशोर यादव एवं मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी पटना संजय कुमार ने किया।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि आइजीआइएमएस पटना के चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनीष मंडल, मुजफ्फरपुर के प्रो ओम प्रकाश राय, संघ के निदेशक पवन कुमार केजरीवाल, किलकारी की निदेशक ज्योति परिहार, उच्च विद्यालय रूपस के प्राचार्य डॉ फैज अहमद थे। साथ ही संघ के सचिव गौरी शंकर भी मौजूद थे।

File

24/8/24.

Scanned with CamScanner

रविवार
पटना, 25.08.2024
भाद्रपद कृष्ण पक्ष 6 संवत 2081
पृष्ठ 18 (14 + 4 पेज का सुरभि)
मूल्य : ₹ 4
वर्ष : 29, अंक : 113
रजिस्ट्रेशन : आर एन 66055/96
prabhatkhabar.com

आइजीआइएमएस. स्वास्थ्य मंत्री ने सुविधाओं का किया उद्घाटन

हार्ट अटैक के मरीजों को 24 घंटे होगी प्राइमरी इंडोस्कोपी व एंजियोप्लास्टी

संवाददाता, पटना

हार्ट अटैक से पीड़ित मरीजों को राजधानी पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस) में अब सातों दिन व 24 घंटे प्राइमरी इंडोस्कोपी व एंजियोप्लास्टी की सुविधा मिलेगी. इसके लिए कार्डियोलॉजी इमरजेंसी विभाग में आठ बेड का अतिविशिष्ट कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) खोला गया है. शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने इसका उद्घाटन किया. अस्पताल में आने वाले मरीजों को प्राइमरी इंडोस्कोपी और प्राइमरी एंजियोप्लास्टी के साथ ही इंडोस्कोपी रूम में फ्लोरो डिजिटल रेडियोग्राफी की सुविधा भी मिलेगी. इसके साथ ही मरीज व उनके परिजनों की सुविधा के लिए संस्थान में संचालित इंडियन बैंक का विस्तार करते हुए तीन नये एटीएम और दो सोलह सीटर बैटरी संचालित गाड़ी संचालन सेवा का उद्घाटन भी किया गया है. समारोह में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि आठ बेड का सीसीयू वैसे युवा मरीजों के लिए खोला गया है, जिनको तुरंत भर्ती कर दिल की बीमारियों से संबंधित जांच, इको एवं इसीजी की जरूरत है.

आइजीआइएमएस में सुविधाओं का उद्घाटन करते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय व अन्य.

- मरीजों व परिजनों की सुविधा के लिए परिसर में तीन नये एटीएम और दो 16 सीटर बैटरी संचालित गाड़ी की सुविधा भी शुरू
- आठ बेड का सीसीयू वैसे युवा मरीजों के लिए खोला गया, जिन्हें तुरंत भर्ती कर दिल की बीमारियों से संबंधित इलाज की जरूरत होगी

आंत और पित्त की नली में सिकुड़न का तुरंत हो सकेगा उपचार

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि जांच के उपरांत अगर जरूरत पड़े तो एंजियोप्लास्टी इलाज शुरू किया जा सकेगा और रुकावट होने पर स्टेंट लगा कर प्राइमरी एंजियोप्लास्टी द्वारा जान बचायी जा सकेगी. उन्होंने कहा कि यह सुविधा पूरे बिहार में एक मात्र सरकारी संस्थान आइजीआइएमएस पटना में पहली बार सस्ती दर पर 24 X 7 उपलब्ध होगी. संस्थान के गैस्ट्रो मेडिसीन विभाग में इंडोस्कोपी जांच के द्वारा फ्लोरो डिजिटल रेडियोग्राफी की सुविधा शुरू होने से आंत में सिकुड़न, पित की नली में सिकुड़न एवं पेट की अन्य बीमारियों का एक्स-रे के साथ आंत, लीवर और पैंक्रियाज के खून की नली में अगर कोई रुकावट होती हो जो डीएसए द्वारा उसका इलाज करके बिना चीड़-फाड़ के तुरंत ठीक किया जा सकेगा. उन्होंने कहा कि बैटरी संचालित गाड़ी का संचालन होने से संस्थान में इलाज करवाने आये मरीजों को संस्थान के मेन गेट से ओपीडी एवं वार्ड तक मुफ्त आने-जाने की सुविधा मिलेगी. इस मौके पर स्थानीय दीघा विधायक संजीव चौरसिया, विधान पार्षद निवेदिता सिंह, स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव शशांक शेखर सिन्हा, संस्थान के निदेशक डॉ बिन्दे कुमार, डीन एकेडमिक डॉ ओम कुमार, उप निदेशक डॉ विभूति सिन्हा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनीष मंडल व डॉ अमन कुमार के साथ सैकड़ों चिकित्सक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे.

दैनिक भास्कर

आईजीआईएमएस

प्राइमरी एंजियोप्लास्टी और इंडोस्कोपी की सुविधा 24 घंटे बहाल

पटना | आईजीआईएमएस के कार्डियोलॉजी विभाग में 24 घंटे प्राइमरी एंजियोप्लास्टी और गैस्ट्रो मेडिसिन विभाग में प्राइमरी इंडोस्कोपी की सुविधा बहाल कर दी गई। इन सुविधाओं का उद्घाटन शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया। पहले यह सुविधा 24 घंटे नहीं थी। राज्य में पहली बार किसी सरकारी हॉस्पिटल में 24 घंटे प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा बहाल की गई है। पहले संस्थान में कार्डियो इमरजेंसी तो चल रही थी, लेकिन देखा गया कि बहुत से युवा मरीज दिल की बीमारी की समस्या लेकर आ रहे हैं और कार्डियो इमरजेंसी में अन्य बीमारियों की भीड़ में उनका समय बर्बाद हो रहा था। इसे देखते हुए आठ बेड का सीसीयू सेवा वैसे युवा मरीजों के लिए खोला गया जिनको तुरंत भर्ती कर दिल की बीमारियों से संबंधित जांच तथा इको, ईसीजी एवं अन्य जांच के बाद यदि जरूरत पड़े तो एंजियोप्लास्टी इलाज शुरू किया जा सकेगा और रूकावट होने पर स्टेंट लगा कर प्राइमरी एंजियोप्लास्टी द्वारा जान बचाई जा सकेगी।

आईजीआईएमएस में आज से शुरू होगी प्राइमरी इंडोस्कोपी एवं प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा

तीन नये एटीएम एवं दो सोलह सीटर बैटरी से संचालित गाड़ी का हुआ शुभारंभ

(आज समाचार सेवा)

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आईजीआईएमएस में कार्डियोलॉजी विभाग में प्राइमरी इंडोस्कोपी और प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा शनिवार से मरीजों मिलने लगेगी। पहले संस्थान में कार्डियो इमरजेंसी तो चल रही थी, लेकिन हाल के दिनों में देखा गया कि बहुत से युवा मरीज दिल की बीमारी, दर्द की समस्या लेकर आ रहे है। इसे देखते हुए आठ बेड का अतिविशिष्ट कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) सेवा वैसे युवा मरीजों के लिए खोला गया है। जिनको तुरंत भर्ती कर दिल की बीमारियों से संबंधित जांच तथा इको, इसीजी एवं अन्य जांच की जाएगी। अगर जरूरत पड़े तो एंजियोप्लास्टी इलाज [illegible] किया जा सकेगा और [illegible] लगाकर प्राइमरी [illegible] बचायी जा [illegible] यह सुविधा [illegible] संस्थान में चौबीसों घंटा उपलब्ध है।

शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री ने आईजीआईएमएस में कार्डियोलॉजी विभाग में प्राइमरी इंडोस्कोपी और

प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा एवं इंडोस्कोपी रूम में फलोरो डिजिटल रेडियोग्राफी की सुविधा एवं संस्थान में संचालित इंडियन बैंक का विस्तार के साथ तीन नए एटीएम और मरीज व परिजनों के लिए [illegible] सोलह सीटर बैटरी संचालित गाड़ी संचालन का उद्घाटन किया।

संस्थान में गैस्ट्रो मेडिसीन विभाग में इंडोस्कोपी जांच के द्वारा फ्लोरो डिजिटल रेडियोग्राफी की सुविधा, आंत में सिकुड़न, पित्त की नली में सिकुड़न एवं पेट के अन्य बिमारियों का एक्सरे के साथ आंत लीवर और पैंक्रियाज के खून की नली में अगर कोई रूकावट होती है, जो [illegible] द्वारा उसका इलाज करके बिना चीड़-फाड़ के तुरंत ठीक किया जा सकेगा।

दीघा विधायक संजीव चौरसिया ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के संरक्षण में संस्थान नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, ताकि मरीज व परिजनों को आने-जाने, जांच व इलाज कराने के समय एटीएम से पैसा निकालने में सहूलियत हो।

संस्थान के निदेशक डा.बिन्दे कुमार ने कहा कि संस्थान में मरीजों के हित के लिए विशेष सुविधा का विस्तार निरंतर किया जा रहा है, ताकि उन्हें इलाज के लिए बिहार से बाहर नहीं जाना पड़े। उन्होंने कहा कि संस्थान सुपरस्पेशियलिटी विभाग में विशेषज्ञ चिकित्सों के साथ बेहतर सुविधा के साथ प्रदेशवासियों एवं अन्य राज्यों से इलाज करवाने आये। इस मौके पर विधायक निवेदिता सिंह, आईएएस शशांक कुमार सिन्हा, संस्थान के उपनिदेशक डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

P.R.O. Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Sheikhpura, Patna-14
Scanned with CamScanner

दैनिक जागरण | 5
पटना, 25 अगस्त, 2024
www.jagran.com

अब आइजीआइएमएस में 24 घंटे प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा

- स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया सुविधाओं का शुभारंभ
- इंडियन बैंक ने जारी किया मरीजों के लिए प्रीपेड कैश कार्ड

जागरण संवाददाता, पटना : इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस) के कार्डियोलाजी विभाग की ओर से 24 घंटे प्राइमरी इंडोस्कोपी और प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा मरीजों को उपलब्ध होगी। शनिवार को संस्थान की विभिन्न सुविधाओं का शुभारंभ करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में देखा गया है कि युवा मरीज भी दिल की बीमारी व दर्द की समस्या लेकर अस्पताल आ रहे है। कार्डियक इमरजेंसी में अन्य बीमारियों की भीड़ में उनका समय बर्बाद हो रहा था। इसे देखते हुए आठ बेड की अतिविशिष्ट कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) सेवा वैसे युवा मरीजों के लिए खोली गयी है। इससे मरीजों को तुरंत भर्ती कर दिल की बीमारियों से संबंधित जांच तथा इको, ईसीजी व अन्य जांच के बाद जरूरत पड़ने पर एंजियोप्लास्टी की जा सकेगी। इसमें हार्ट में ब्लाकेज आने पर तुरंत स्टंट लगाकर प्राइमरी एंजियोप्लास्टी कर जान बचाई जा सकेगी। कहा कि गैस्ट्रो मेडिसीन विभाग में इंडोस्कोपी जांच के माध्यम से फ्लोरो डिजिटल रेडियोग्राफी की सुविधा उपलब्ध होगी। इसमें आंत के सिकुड़न, पित्त की नली में सिकुड़न एवं पेट के अन्य बीमारियों के एक्स-रे के साथ आंत, लीवर और पैंक्रियाज के खून की नली में अगर कोई रुकावट होती हो तो डीएसए के माध्यम से बगैर चीरे के उपचार किया जा सकेगा। बताया कि कई वर्षों से संचालित इंडियन बैंक के शाखा का विस्तार किया गया। इसके अतिरिक्त एसबीआइ, पीएनबी एवं एचडीएफसी बैंक के एटीएम की भी सुविधा का आरंभ किया गया।

मरीजों व उनके स्वजनों के लिए दो 16 सीटर बैटरी वाहन का संचालन संस्थान की ओर से किया जाएगा। इसमें संस्थान के मेन गेट से लेकर वार्ड तक मुफ्त आने-जाने की सुविधा मिलेगी।

विभिन्न सुविधाओं का शुभारंभ करते स्वास्थ्य मंत्री मगल पांडेय, विधायक संजीव चौरसिया, निदेशक डा. बिन्दे कुमार, एमएस डा. मनीष मडल और अन्य। • जागरण

कीर्तिमान स्थापित कर रहा है संस्थान

दीघा विधायक डा. संजीव चौरसिया ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के संरक्षण में संस्थान कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस मौके पर इंडियन बैंक के जीएम राकेश सहगल ने कहा कि संस्थान के लिए प्रीपेड कैश कार्ड की सुविधा आरंभ की गई है। इससे मरीज और स्वजनों को डिजिटल सेवा द्वारा पैसे की लेन-देन तथा संस्थान में जांच और उपचार की सहूलियत होगी। इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. बिंदे कुमार ने कहा कि मरीजों की सुविधा के लिए लगातार विशेष सुविधा का विस्तार किया जा रहा है। इससे मरीजों को उपचार के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। संस्थान में सुपरस्पेशिलिटी विभाग में विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ बेहतर सुविधा मरीजों को 24 घंटे उपलब्ध है। मौके पर विधायक निवेदिता सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शशांक कुमार सिंह, अमिताभ सिन्हा, डीन एकेडमिक डा. ओम कुमार, डीडीए डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा, चिकित्सा अधीक्षक डा. मनीष मंडल, डा. अमन कुमार, डा. प्रियंकर सिंह, डा. बिनय कुमार, यूरोलाजी विभागाध्यक्ष डा. राजेश कुमार तिवारी, डा. प्रीतपाल सिंह और अन्य भी थे।

हिन्दुस्तान | 08
पटना, रविवार, 25 अगस्त 2024

एक छत के नीचे हृदय रोगियों की जांच से इलाज तक की सुविधा

आईजीआईएमएस

- मरीजों के लिए निःशुल्क ई-रिक्शा सेवा का भी शुभारंभ
- आठ बेड की अतिविशिष्ट सीसीयू सेवा की शुरुआत

पटना, प्रधान संवाददाता। इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में हृदय रोग से ग्रसित मरीजों को अब 24 घंटे इलाज की सुविधा मिलेगी। सभी जीवनरक्षक उपकरणों से युक्त कार्डियोलॉजी इमरजेंसी की शुरुआत की गई।

इसमें प्राइमरी इंडोस्कोपी और प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा एवं इंडोस्कोपी रूम में फ्लोरो डिजिटल रेडियोग्राफी की सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने शनिवार को कई सुविधाओं का उद्घाटन किया। इसके अलावा यहां के सामान्य मरीजों को तीन बैंक एटीएम और निःशुल्क बैटरी चालित सोलह सीटर वाहन की भी सुविधा मिलेगी।

मौके पर दीघा से बीजेपी विधायक संजीव चौरसिया, विधायक निवेदिता सिंह, आईएएस शशांक कुमार सिंह, संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. बिंदे कुमार, डीन प्रो. डॉ. ओम कुमार, उपनिदेशक डॉ. विभूति प्र.सिन्हा, अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल, हृदय रोग विभाग के हेड डॉ. रवि विष्णु प्रसाद, इंडियन बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक राकेश सहगल, अमन कुमार झा समेत कई चिकित्सक व पदाधिकारी मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि संस्थान के कार्डियोलॉजी विभाग में प्राइमरी इंडोस्कोपी और प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा से युवा मरीजों को काफी राहत मिलेगी। कार्डियो इमरजेंसी में अन्य बीमारियों की भीड़ में समय बर्बाद हो रहा था। इसे देखते हुए आठ बेड का अतिविशिष्ट कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) सेवा वैसे युवा मरीजों के लिए खोला गया जिनको तुरंत भर्ती कर दिल से संबंधित जांच, ईको, ईसीजी हो सके और यदि जरूरत पड़े तो तत्काल एंजियोप्लास्टी, स्टेंट लगा कर प्राइमरी एंजियोप्लास्टी द्वारा उसकी जान बचाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा पहली बार एकमात्र सरकारी आईजीआईएमएस में शुरू हुई है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि संस्थान में गैस्ट्रो मेडिसीन विभाग में इंडोस्कोपी जांच द्वारा फ्लोरो डिजिटल रेडियोग्राफी की सुविधा शुरू होने से आंत, पित्त की नली में सिकुड़न एवं पेट की अन्य बीमारियों के एक्स-रे के साथ आंत, लिवर और पैंक्रियाज की खून की नली में अगर कोई बाधा होती है तो डीएसए द्वारा उसका इलाज बिना चीर-फाड़ के तुरंत ठीक किया जा सकेगा। हृदय रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि विष्णु ने कहा कि 24 घंटे की कार्डियोलॉजी इमरजेंसी में प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की सुविधा शुरू होने से युवा मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

आईजीआईएमएस में तीन नई सुविधाओं का उद्घाटन करते मंत्री मंगल पांडेय। साथ में विधायक संजीव चौरसिया, निवेदिता सिंह, निदेशक डॉ. बिन्दे व अन्य।

तीन नई एटीएम खुली, बैंक की शाखा का हुआ विस्तार

स्वास्थ्य मंत्री द्वारा संस्थान में वर्षों से संचालित इंडियन बैंक शाखा का विस्तार किया गया। तीन नई एटीएम की सुविधा भी शुरू हुई। इंडियन बैंक के महाप्रबंधक राकेश सहगल ने कहा कि संस्थान के मरीजों के लिए प्रीपेड कैश कार्ड सेवा की शुरुआत आज से की गई है। इससे मरीजों के परिजनों को डिजिटल सेवा द्वारा पैसे की लेन-देन करने में आसानी हो। इससे जांच और इलाज कराने में उन्हें सहूलियत मिलेगी। संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. बिन्दे कुमार ने कहा कि संस्थान में मरीजों के हित के लिए विशेष सुविधाओं का विस्तार लगातार हो रहा है।

16 सीटर दो बैट्री संचालित गाड़ी का होगा परिचालन

मरीज व परिजनों के लिए दो सोलह सीटर बैटरी संचालित वाहनों का परिचालन निःशुल्क होगा। इन वाहनों से बेली रोड स्थित संस्थान के मुख्य गेट से मरीज इंदिरा गांधी के मूर्ति के पास स्थित ओपीडी और आईपीडी ब्लॉक के पास आ-जा सकेंगे।

P.R.O. Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Sheikhpura, Patna-14

File

28/8/24

Scanned with CamScanner

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

आईजीआईएमएस में खुलेगी प्राइमरी एंजियोप्लास्टी यूनिट

विशेष

- अगले सप्ताह से 24 घंटे संचालित होगी अलग प्राइमरी एंजियोप्लास्टी यूनिट
- ब्लॉकेज खोलने, एंजियोप्लास्टी करने और पेसमेकर लगाने की होगी सुविधा

संजय पांडेय

पटना। हार्ट अटैक से युवाओं की जान बचाने के लिए आईजीआईएमएस में एक अलग यूनिट खुल रही है। प्राइमरी एंजियोप्लास्टी यूनिट में युवाओं को तत्काल हार्ट अटैक से होनेवाली धमनियों के ब्लॉकिज को हटाने, स्टेंट लगाने अथवा बाहर से पेसमेकर लगाने की भी सुविधा होगी।

सीसीयू यूनिट की ठीक बगल में स्थित इस सेंटर में ये सुविधाएं दिन-रात (24 घंटे) मिलेंगी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि अगले सप्ताह से यह यूनिट शुरू हो जाएगी। बताया कि कोरोना के बाद से हार्ट अटैक से अचानक होनेवाली मौतों में युवाओं की संख्या लगभग 15 से 20 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसका बड़ा कारण कोरोना पीड़ितों की हृदय की धमनियों में संकुचन, खून का थक्का जमने और ब्लॉकिज की समस्या को माना जा रहा है। इसे देखते हुए आईजीआईएमएस में प्राइमरी एंजियोप्लास्टी यूनिट को खोला जा रहा है। आईजी आईएमएस हृदय रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि विष्णु ने बताया कि यहां विशेषज्ञ और अनुभवी डॉक्टरों की टीम है। 24 घंटे इनकी तैनाती इस सेंटर में रहेगी। मरीज 24 घंटे में कभी भी पहुंचेंगे तो मिनटों में एंजियोप्लास्टी सेंटर की सुविधा मिलेगी। एंजियोप्लासटी होने से दिल की बीमारियों 50% तक बचाव संभव है।

आईजीआईएमएस में प्रतिवर्ष होनेवाला इलाज

भर्ती -	10000
कैथलैब में -	24000
ईको-	24000
ईसीजी-	56000
टीएमटी-	1500

Scanned with CamScanner

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में जूनियर और रेजिडेंट काम पर लौटे, ओपीडी और ओटी में संभाला मोर्चा

सरकारी अस्पतालों की ओपीडी खुलते ही बढ़ी भीड़, 10413 ने कराया रजिस्ट्रेशन, 125 ऑपरेशन हुए

- 10 दिन में सिर्फ पीएमसीएच में 600 से अधिक मेजर और माइनर आपरेशन हो गए पेंडिंग

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों के 10 दिन के बाद कार्य बहिष्कार खत्म होने और ओपीडी सेवा बहाल होने से पीड़ित मरीजों ने राहत की सांस ली। जूनियर और रेजिडेंट डॉक्टरों का कार्य बहिष्कार वापस लेने के बाद ही गुरुवार को ओपीडी में मरीजों की भीड़ उमड़ी। रजिस्ट्रेशन कराने के लिए धक्कामुक्की की स्थिति हो गई थी। मरीज या फिर परिजन सुबह आठ बजे से ही रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कतार में खड़े हो गए थे। गुरुवार को पटना के चार बड़े अस्पताल पीएमसीएच, एनएमसीए, आईजीआईएमएस और पटना एम्स में 10413 मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराया।

कहां कितने मरीज : पीएमसीएच के ओपीडी में 1400, आईजीआईएमएस में 3500, एनएमसीएच में 2021 और पटना एम्स में 3500 मरीज देखे गए। इसके अलावा इन चार अस्पतालों में करीब 125 मेजर और माइनर आपरेशन भी हुए। ये सभी प्रस्तावित आपरेशन थे। वैसे बीते 10 दिन से कार्य बहिष्कार होने ने प्रस्तावित सर्जरी भी नहीं हो सकी थी। विशेषकर पीएमसीएच में प्रस्तावित सभी सर्जरी टाल दिए गए थे। पीएमसीएच में बीते 10 दिनों में करीब 600 सर्जरी पेंडिंग हो गई है। इसे क्लियर करने में कम से 15 से 20 दिन लग जाएंगे। इसकी पुष्टि चिकित्सकों ने भी की।

आईजीआईएमएस में ओपीडी शुरू, पर्ची कटाने के लिए उमड़ी भीड़

पीएमसीएच में रजिस्ट्रेशन काउंटर

एनएमसीएच के ओपीडी में पहुंचे दो हजार मरीज

पटना सिटी | जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल जब गुरुवार को समाप्त हुई तो एनएमसीएच के ओपीडी में इलाज करानेवाले मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। गुरुवार को सुबह की पाली में 1721 नए एवं 97 पुराने मरीज उपचार कराने आए। वहीं 29 मरीज भर्ती हुए। शाम की पाली में 144 नया मरीज उपचार कराने आए। पिछले लगभग दस दिनों की हड़ताल के बाद ओपीडी शुरू होने से रजिस्ट्रेशन काउंटर पर अफरा तफरी रही। मरीज व उनके तीमारदार सुबह साढ़े आठ बजे से ही रजिस्ट्रेशन काउंटर पर कतारबद्ध हो गए थे, जिस कारण गहमागहमी की स्थिति रही। प्रभारी अमित सिन्हा ने बताया कि रजिस्ट्रेशन को लेकर सात काउंटर खोले गए थे, जिसमें एक काउंटर पुराने मरीजों के लिए है। अस्पताल अधीक्षक डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सबसे अधिक मेडिसिन विभाग में 349 नए व 22 पुराने मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराया।

डॉक्टरों ने कहा- शुक्रवार को भीड़ और बढ़ने की उम्मीद

चिकित्सकों की माने तो मरीजों की भीड़ शुक्रवार से और बढ़ेगी। क्योंकि कार्य बहिष्कार खत्म होने के बाद आज पहला दिन था। अधिकांश लोगों को कार्य बहिष्कार खत्म होने की जानकारी भी नहीं थी। शुक्रवार को जब सभी जानकारी मिल जाएगी कि अस्पतालों में चिकित्सकों का कार्य बहिष्कार खत्म हो गया तो मरीजों की भीड़ और बढ़ जाएगी। शुक्रवार को यह आंकड़ा 15 हजार को पार कर सकता है।

File
23/8/24

Scanned with CamScanner

ओपीडी खुलते ही मरीजों की लगी लंबी कतार

चार बड़े सरकारी अस्पतालों में 10 हजार से अधिक मरीज पहुंचे, एम्स में सर्वाधिक 36 सौ

दैनिक जागरण
पटना, 23 अगस्त, 2024
5

जागरण संवाददाता, पटना : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस), पटना मेडिकल कालेज अस्पताल (पीएमसीच) में बीते 11 दिनों के बाद गुरुवार को ओपीडी में सामान्य कामकाज हुआ। ओपीडी के सामान्य होने के साथ ही अस्पतालों में मरीजों की भीड़ उमड़ी। राजधानी के प्रमुख चार मेडिकल कालेजों में 10 हजार से अधिक मरीज उपचार कराने पहुंचे। आरजी कर मेडिकल कालेज की घटना के बाद से जूनियर डाक्टर हड़ताल पर थे।

गुरुवार को एम्स निदेशक प्रो. जीके पाल ने बताया कि ओपीडी, ओटी व इमरजेंसी अब पूरी तरह सामान्य है। 36 सौ से अधिक मरीजों का ओपीडी में उपचार किया गया, 60 से अधिक सर्जरी हुई, इसके अतिरिक्त 150 से अधिक मरीजों को ओपीडी के माध्यम से भर्ती किया गया।

आइजीआइएमएस की ओपीडी में 3,452 मरीज पहुंचे। चिकित्सा अधीक्षक डा. मनीष मंडल ने बताया कि ओपीडी अब सामान्य है। ओपीडी के माध्यम से 92 मरीजों को भर्ती किया गया। जबकि पूर्व निर्धारित 48 आपरेशन भी किए गए। अब धीरे-धीरे संख्या बल में बढ़ोतरी होगी। पीएमसीएच में 1,402 मरीजों को ओपीडी के माध्यम से उपचार किया गया। 40 से अधिक मरीजों के आपरेशन हुए। एनएमसीएच में 2,021 मरीजों का ओपीडी में उपचार किया गया।

गुरुवार को आइजीआइएमएस में ओपीडी सेवा शुरू होने के बाद उमड़ी भीड़। • पेट

पैथोलोजी, एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड के लिए लगी कतार : अचानक कई दिनों के बाद खुले ओपीडी में मरीजों की भीड़ से अस्पतालों के पैथोलाजी सेंटर, एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड के लिए मरीजों के पहुंचने से कतार लगी रही। अस्पतालों में सबसे अधिक वायरल बीमारियों को लेकर मरीज पहुंचे। आइजीआइएमएस चिकित्सा अधीक्षक डा. मनीष मंडल ने बताया कि वायरल बुखार के बाद कमजोरी, उल्टी, बुखार, चक्कर आने आदि के लक्षण को लेकर काफी संख्या में मरीज पहुंचे। इसके अतिरिक्त नेफ्रोलाजी, न्यूरोलाजी, कार्डियोलाजी, कैंसर, आंख, पल्मोनरी विभागों में पुराने मरीज भी फालोअप के लिए पहुंचे।

File
23/8/24

Scanned with CamScanner